विनिमय

(2021 - 2022)

हिंदी

मूल्यांकन कार्यपत्रिका

कक्षा - X

जिला शैक्षिक प्रशिक्षण केन्द्र (DIET) तिरुवनन्तपुरम

विनिमय

मूल्यांकन वर्कशीट

हिंदी

पहली प्रतिलिपि

नवंबर 2021

अभिन्यास और कवर डिज़ाइन

कल्लिंगल ग्राफिक्स, आट्टिंगल

प्रशासनिक उत्तरदायित्व

डॉ.टी.आर.षीजाकुमारी

(प्रिनसिपल इन चार्ज DIET तिरुवनन्तपुरम)

शैक्षिक उत्तरदायित्व

डॉ.वी.सुलभा

(वरिष्ठ प्राध्यापिका, DIET, तिरुवनन्तपुरम)

विषयपरक उत्तरदायित्व

डॉ.वी.सुलभा

(वरिष्ठ प्राध्यापिका, DIET, तिरुवनन्तपुरम)

प्राक्कथन

प्यारे बच्चो

मानव जीवन-चक्र को चकनाचूर करके आई कोविड महामारी ने संपूर्ण शैक्षिक वातावरण को भी ललकार करते हुए अपना गहरा प्रभाव डाला है। लेकिन केरल ने इन खतरनाक परिस्थितियों का भी शीघ्रगति से पार किया और एक हद तक सफलता भी प्राप्त की। सभी सामाजिक संगठनों से मिल करके सार्वजानिक सहकारिता के बल पर हमने जो डिजिटल/ ऑनलाइन पाठ्यक्रम का सहारा लिया था उसे तहेदिल से अपनाया गया। कोविड प्रोटोकॉल का पालन करते हुए पाठशालाएँ खुलने लगी तो पढ़ाई-सिखाई का नया सौगंध चारों ओर फैलने लगा। विभिन्न तथा विविध प्रकार की पाठ्यचर्या प्रक्रियाओं से गुज़रकर ज्ञानार्जन का नया वातावरण प्राप्त करने का मौका भी मिल रहा है। इनके लिए अधयापकों- अभिभावकों का कंधा हमेशा साथ दे रहा है। इसीके साथ-साथ अपनी पढ़ाई का मूल्यांकन करने, उसका फायदा उठाने तथा तदनुकूल प्रतिक्रियाएँ प्रदान करने में भी अध्यापक का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। विभिन्न विषयों की अलग-अलग इकाइयों के विषयों में जिन- जिन धारणाओं को प्राप्त किया गया है उन सभी के मूल्यांकन के लिए यह कार्य- पत्रिका सहारा बन जाएगी। पाठ्यचर्या अनुभवों के आधार पर जिला शैक्षिक प्रशिक्षण केंद्र के नेतृत्व में विषय विशेषज्ञों द्वारा तैयार की गई कार्यपत्रिका इसके साथ संलग्न है, जो आपसी मूलयांकन, परस्पर मूलयांकन तथा अध्यापक मूलयांकन के लिए भी काम में आएगी। आप सभी बधुओं से अनुरोध है कि हर कार्यपत्रिका से बिल्कुल ध्यान से गुजरें और ज्ञानार्जन का अनुभव आनंददायक बनाएँ। शुभकामनाएँ !

इकाई – 1

पाठ – 1 बीरबहूटी 5
पाठ – 2 हताशा से एक व्यक्ति बैठ गया था 9
पाठ – 3 टूटा पहिया 12

इकाई – 2

पाठ – 1 आई एम कलाम के बहाने 14
पाठ – 2 सबसे बड़ा शो मैन 18

इकाई – 3

पाठ – 1 अकाल और उसके बाद 23
पाठ – 2 ठाकुर का कुआँ 25

इकाई – 4

पाठ – 1 बसंत मेरे गाँव का 29
पाठ – 2 दिशाहीन दिशा 33

इकाई – 5

पाठ – 1 बच्चे काम पर जा रहे हैं 37
पाठ – 2 गुठली तो पराई है 39

इकाई – 1 पाठ – 1

बीरबहूटी

Standard : X

Score : 30
Time : 1 hr

सूचनाः बीरबहूटी पाठभाग का यह अंश पढ़ें और निम्न लिखित प्रश्नों के उत्तर लिखें।

उन्हें बीरबहूटियों से मिलना होता था। सो वे स्कूल के लिए घर से कुछ समय पहले निकल आते थे। कस्बे से सटे इन खेतों में बीरबहूटियाँ खेजा करते थे। सुर्ख, मुलायम, गदबदी बीरबहूटियाँ। धरती पर चलती फिरती खून की प्यारी-प्यारी बूँदें। उनके बस्ते उनकी पीठ पर लदे होते थे, कंधों पर टंगे होते थे। वे एक-दूसरे के बहुत नज़दीक रहकर बल्कि कहना चाहिए बिलकुल सटकर बीरबहूटियाँ खोजते थे।

1. बेला और साहिल कहाँ बीरबहूटियों को खोजा करते थे? (1)

   (घर में, स्कूल में, खेत में)

2. 'प्यारी बूँदें ' - इसमें विशेषण शब्द कौन-सा है? (1)

3. कौन-सा विशेषण बीरबहूटी का नहीं?

   (गदबदी, बैंगनी, सुर्ख) (1)

4. 'उनके '- सर्वनाम और प्रत्यय अलग करके कैसे लिखें? (1)

   (वह + के, वे + के, ये + के)

5. बेला और साहिल स्कूल के लिए कुछ समय पहले निकल आते थे। क्यों? (1)

6. उचित वाक्यांश चुनें, वाक्यों की पूर्ति करें। (4)

   (घड़े को नहीं ढुलाना चाहिए।

   अभी-अभी खाली हो गई है।

   राजकीय कन्या पाठशाला में पढाएँगे।)

   नीली स्याही भरी जाती थी।

   1. स्याही की बोतल ....।
   2. बादल को देखकर .... ।
   3. पैन में पाँच पैसे में .... ।
   4. बेला को ....।

7. वे एक दूसरे के बहुत नज़दीक रहकर, बिलकुल सटकर बीरबहूटियाँ खोजते थे। इस प्रसंग पर बेला और साहिल के बीच का वार्तालाप लिखें। (4)

   साहिल : हाय बेला, खेत की ओर चलें।

   बेला : हाँ ज़रूर।

   साहिल : ....

   बेला : ....

सूचना : नीचे दिए गद्यांश पढ़ें और उत्तर लिखें।

बेला का मन बहुत खराब हो गया, माटसाब चाहे मुझे पीट लेते मगर साहिल के सामने नहीं। वह साहिल के सामने खुद को शर्मिंदा महसूस कर रही थी। क्योंकि वह जानती थी कि वह साहिल की नज़र में बहुत अच्छी है। जब वह उसके पास आकर बैठी उससे नज़र नहीं मिला पाई।

8. जब वह उसके पास आकर बैठी उससे नज़र नहीं मिला पाई। क्यों? (2)

9. गणित माटसाब के बुरे व्यवहार पर बेला उदास थी। उसका मन बहुत खराब हो गया। वह साहिल के सामने शर्मिंदा महसूस कर रही थी। बेला की उस दिन की डायरी तैयार करें। (4)

10. वाक्य पिरामिड़ की पूर्ति करें: (2)

(पैन में, स्याही भरवाने)

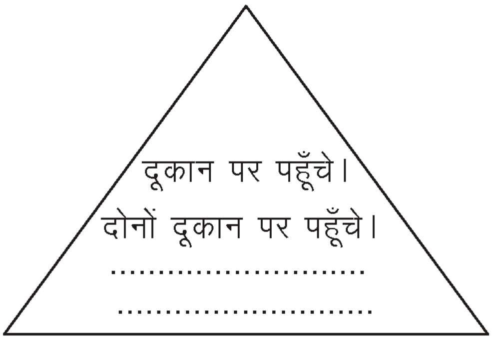

सूचना: गद्यांश पढ़ें और उत्तर लिखें।

पाँचवीं कक्षा का रिज़ल्ट आ गया। दोनों छठी में आ गए। यह स्कूल पाँचवीं तक ही था।

साहिल अब तुम कहाँ पढोगे? बेला ने पूछा।

और तुम कहाँ पढोगी बेला? साहिल ने पूछा।

मेरे पापा कह रहे थे कि तुझे राजकीय कन्या पाठशाला में पढ़ाएँगे और तुम?

11. बेला और साहिल अलग-अलग स्कूलों में पढ़ने जा रहे हैं, क्योंकि....................। (1)

(साहिल के माँ-बाप दूसरे गाँव रहने गये।

बेला को गाँव का स्कूल अच्छा न लगा।

गाँव का स्कूल पाँचवीं तक ही था।)

12. मुझे अगले साल अजमेर भेज देंगे। - यह किसने किससे कहा? (1)

13. उपर्युक्त प्रसंग के आधार पर पटकथा का एक दृश्य तैयार करें। (4)

14. उचित प्रत्यय से वाक्य की पूर्ति करें। (3)

(का, के, की)

1) बारिश .... हवा तेज़ चलती थी।

2) गणित .... पीरियड खेल घंटी के बाद आता था।

3) उन .... बस्ते उनकी पीठ पर लदे होते थे।

इकाई – 1 पाठ – 1
बीरबहूटी

उत्तर सूचिका

1. खेत में
2. प्यारी
3. बैंगनी
4. वे + के
5. बेला और साहिल स्कूल के लिए कुछ समय पहले निकल आते थे, क्योंकि उन्हें बीरबहूटियों से मिलना होता था।
6. 1. अभी अभी खाली हो गई है।

   2. घड़े को नहीं ढुलाना चाहिए।

   3. नीली स्याही भरी जाती थी।

   4. राजकीय कन्या पाठशाला में पढ़ाएँगे।
7. साहिल : हाय बेला, खेत की ओर चलें।

   बेला : हाँ ज़रूर।

   साहिल : देखो बेला, इसका रंग तुम्हारे रिबन जैसा लाल है।

   बेला : हाँ, ये चलती-फिरती खून की प्यारी-प्यारी बूँदें जैसी लगती हैं।

   साहिल : ये बीरबहूटियाँ मुलायम भी हैं।

   बेला : हाँ, हाँ ....

   साहिल : तुमने कुछ सुना बेला?

   बेला : हाँ सुना।पहली घंटी लग गई है। तो हम चलें।

   साहिल : लेकिन मुझे पैन में स्याही भरवानी है दूकान से।

   बेला : जल्दी आओ।
8. बेला साहिल के सामने खुद को शर्मिंदा महसूस कर रही थी। क्योंकि वह जानती थी कि साहिल की नज़र में वह बहुत अच्छी है। इसलिए जब वह उसके पास आकर बैठी उससे नज़र नहीं मिला पाई।
9. 21.10.1981

   आज का दिन मैं कभी नहीं भूलूँगी। कितना बुरा दिन था। गणित माटसाब गुस्से से मेरे बालों में पंजा फँसाया। जिस गलती को पाकर वे मेरे बाल पकड़कर फेंकनेवाले थे, वह गलती ही नहीं थी। थोड़ी देर के बाद उन्होंने मुझे छोड़ दिया। मेरे भयभीत चेहरे को देखकर साहिल बुरी तरह डर गया था। मेरा मन बहुत खराब हो गया। माटसाहब चाहे मुझे पीट लेते, मगर साहिल के सामने नहीं। मैं साहिल के सामने खुद को शर्मिंदा महसूस कर रही थी। क्योंकि साहिल की नज़र में मैं बहुत अच्छी हूँ। साहिल के पास आने पर मैं उससे नज़र नहीं मिला पाई। मैं कल कैसे साहिल से मिलूँ......

10.

दूकान पर पहूँचे।

दोनों दूकान पर पहूँचे।

स्याही भरवाने दोनों दूकान पर पहूँचे।

पैन में स्याही भरवाने दोनों दूकान पर पहूँचे।

11. गाँव का स्कूल पाँचवीं तक ही था।

12. साहिल ने बेला से कहा।

13. सीन - 1

स्थान : स्कूल। पाँचवीं कक्षा।

समय : साढे तीन बजे।

पात्र : बेला (दस साल की लड़की, स्कूल यूनिफ़ॉर्म पहनी है)

साहिल (दस साल का लड़का, स्कूल यूनिफ़ॉर्म पहनी है)

(पाँचवीं कक्षा का रिज़ल्ट आ गया। बेला और साहिल छठी में आए। वे दोनों उदास हैं।)

बेला : साहिल अब तुम कहाँ पढ़ोगे?

साहिल : अजमेर में। और तुम?

बेला : पापा कह रहे थे कि मुझे राजकीय कन्या पाठशाला में पढ़ाएँगे।?

साहिल : मैं हॉस्टल में अकेला रहूँगा।

बेला : क्यों साहिल?

साहिल : पता नहीं।

बेला (आश्चर्य से) तुम फुलेरा में ही नहीं रहोगे?

साहिल (उदास होकर) : नहीं। रिपोर्ट कार्ड दिखाओ।

(साहिल बेला का रिपोर्ट कार्ड देख रहा है और बेला साहिल का)

साहिल : तुम्हारी आँख में आँसू क्यों?

बेला : पता नहीं।

14. 1) की

2) का

3) के

इकाई – 1 पाठ – 2

हतादा से एक व्यक्ति बैठ गया था

Standard : X

Score : 20
Time : 45 Mts

सूचनाः टिप्पणी का यह अंश पढ़ें और नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखें।

'व्यक्ति को मैं नहीं जानता था, हताशा को जानता था' कहते ही वे " जानने" की हमारी उस जानी-पहचानी रूढि को तोड़ देते हैं।

1. 'हताशा से एक व्यक्ति बैठ गया था' - नामक कविता पर टिप्पणी किसने लिखी? (1)
2. कविता में कवि का कौन-सा मनोभाव प्रकट होता है? (1)
(ईर्ष्या, मनुष्यता, क्रोध)
3. 'हम दोनों साथ - साथ चले। ' - कौन- कौन? (1)
4. सड़क पर घायल पड़े अपरिचित व्यक्ति को देखकर हमें क्या करना चाहिए? (1)
5. हाथ बढ़ाना - इसका मतलब क्या है? (1)
(सहायता करना, बेसहारा होना, अपमानित करना)

(1)

6. सही प्रस्ताव चुनकर लिखें।
क) व्यक्ति कवि को जानता था।
ख) कवि व्यक्ति की हताशा को जानता था।
ग) कवि व्यक्ति को जानता था।
7. बहुत दिनों से चली आई प्रथा - इस अर्थ में प्रयुक्त शब्द कौन सा है? (1)
(हताशा, रूढि, पहचान)
8. आशय समझकर सही मिलान करें। (4)

कवि व्यक्ति की	मदद की ज़रूरत है ।
घायल पड़े आदमी को	हताशा को जानते थे।
किसीके संकट को नहीं जानते तो	नहीं जानते थे।
कवि व्यक्ति को	हम कुछ नहीं जानते।

9. वाक्य पिरामिड़ की पूर्ति करें। (2)
(व्यक्ति को, हताश)

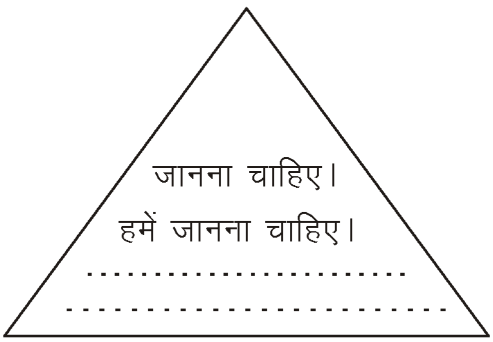

10. टिप्पणी के आधार पर लिखें। (4)

(नाम, हताशा, संकट, उम्र, ओहदे, असहायता, निराशा, पता)

जानने के रुढ़िग्रस्त आधार	जानने के असली आधार
◆	◆
◆	◆
◆	◆
◆	◆

11. हम जानते हैं कि वह व्यक्ति मुसीबत में है। (1)

('हम' के बदले 'मैं' का प्रयोग करके वाक्य का पुनर्लेखन करें।)

12. 'हताशा से एक व्यक्ति बैठ गया था' - कविता का संदेश अपने शब्दों में लिखें। (2)

इकाई – 1 पाठ – 2
हताशा से एक व्यक्ति बैठ गया था

उत्तर सूचिका

1. नरेश सक्सेना
2. मनुष्यता
3. विनोदकुमार शुक्ल और हताश व्यक्ति
4. सड़क पर घायल पड़े अपरिचित व्यक्ति को देखकर हमें उनकी सहायता करनी चाहिए।
5. सहायता करना।
6. कवि व्यक्ति की हताशा को जानता था।
7. रूढ़ि
8.

कवि व्यक्ति की	हताशा को जानते थे।
घायल पड़े आदमी को	मदद की ज़रूरत है ।
किसीके संकट को नहीं जानते तो	हम कुछ नहीं जानते।
कवि व्यक्ति को	नहीं जानते थे।

9.
जानना चाहिए।
हमें जानना चाहिए।
व्यक्ति को हमें जानना चाहिए।
हताश व्यक्ति को हमें जानना चाहिए।

10.

जानने के रुढ़िग्रस्त आधार	**जानने के असली आधार**
◆ नाम	◆ हताशा
◆ उम्र	◆ संकट
◆ ओहदे	◆ असहायता
◆ पता	◆ निराशा

11. मैं जानता हूँ कि वह मुसीबत में है।
12. 'हताशा से एक व्यक्ति बैठ गया था' - कविता का संदेश है कि दो मनुष्यों के बीच मनुष्यता का एहसास यानी मानवीय संवेदना होना ज़रूरी है, जानकारियाँ ज़रूरी नहीं हैं।

इकाई – 1 पाठ – 3

टूटा पहिया

Standard : X

Score : 15
Time : 30 Mts.

सूचनाः 'टूटा पहिया ' - कविता की ये पंक्तियाँ पढ़ें और नीचे दिए प्रश्नों के उत्तर लिखें।

मैं रथ का टूटा हुआ पहिया हूँ
लेकिन मुझे फेंको मत
क्या जाने; कब इस दुरूह चक्रव्यूह में
अक्षौहिणी सेनाओं को चुनौती देता हुआ
कोई दुस्साहसी अभिमन्यु आकर घिर जाए।

1. इस कविता में 'मैं' कौन है? (1)

   (महाशक्ति, लघुमानव, ,समस्याएँ)

2. अक्षौहिणी सेनाओं को चुनौती देनेवाला कौन है? (1)

3. 'ललकार ' इसका समानार्थी शब्द उपर्युक्त पंक्तियों से चुनकर लिखें। (1)

4. संबंध पहचानकर सही मिलान करें। (4)

◆ टूटा पहिया	◆ महाशक्ति
◆ चक्रव्यूह	◆ अधर्म का विरोधी
◆ अक्षौहिणी सेना	◆ समस्याएँ
◆ अभिमन्यु	◆ लघुमानव

5. 'लोहा लेना' - इससे क्या तात्पर्य है? (1)

   (आगे आना, सामना करना, साफ़ करना)

6. 'टूटा पहिया' - इसमें विशेषण शब्द कौन - सा है? (1)

7. 'टूटा पहिया' क्यों कहता है कि मुझे फेंको मत? (2)

8. कवि एवं कविता का परिचय देते हुए टिप्पणी लिखें। (4)

इकाई – 1 पाठ – 3
टूटा पहिया

उत्तर सूचिका

1. लघुमानव
2. अभिमन्यु
3. चुनौती
4.

टूटा पहिया	लघुमानव
चक्रव्यूह	समस्याएँ
अक्षौहिणी सेना	महाशक्ति
अभिमन्यु	अधर्म का विरोधी

5. सामना करना
6. टूटा
7. टूटा पहिया कहता है कि मुझे फेंको मत । क्योंकि समय आने पर टूटा पहिया जैसी बेकार चीज़ भी उपयोगी बन जाती है।
8. **टूटा पहिया**

धर्मवीर भारती से लिखी हुई एक छोटी सी कविता है, टूटा पहिया। टूटा पहिया लघु और उपेक्षित मानव का प्रतीक है, जिसे बेकार समझकर फेंक दिया गया है। कवि उसकी संभावनाओं को पहचानता है और उसकी क्षमताओं का मूल्यांकन करता है। यह एक प्रतीकात्मक रचना है।

धर्मवीर भारतीजी का कहना है कि टूटा हुआ पहिया भी संदर्भ आने पर उपयोगी हो जाता है। इसलिए उसकी उपेक्षा नहीं करनी चाहिए। महाभारत युद्ध में कई वीर योद्धा अधर्म के पक्ष में लड़ने के लिए बाध्य हो गए थे। अर्जुन के वीर पुत्र अभिमन्यु ने अधर्म के पक्ष में लड़नेवाले योद्धाओं को चुनौती देता हुआ चक्रव्यूह में प्रवेश किया। बड़े - बड़े महारथियों ने अपने पक्ष को असत्य जानते हुए भी निहत्थे, असहाय बालक अभिमन्यु की आवाज़ को कुचल देना चाहा। बालक अभिमन्यु ने उन महारथियों का मुकाबला करने के लिए रथ के टूटे हुए पहिए का सहारा लिया। महाभारत के इस प्रसंग की याद दिलाते हुए कवि कहते हैं कि उस प्रकार की अधार्मिक घटना आज भी संभव है। बदलती हुई सामूहिक गति अधर्म की ओर हो जाए तो सत्य का पक्ष टूटे हुए पहिए का भी सहारा लेने के लिए विवश हो जाता है। अतः कवि टूटे हुए पहिए को तुच्छ समझकर न फेंकने का आह्वान करते हैं। तुच्छ सी लगनेवाली वस्तू भी सांत्वना देने में समर्थ हो सकती है।

धर्मवीर भारती 'नई कविता' के सशक्त कवि हैं। धर्मवीर की प्रस्तुत कविता 'टूटा पहिया' उपेक्षित सामान्य मनुष्य का प्रतीक है। उसकी प्रतिष्ठा के लिए कवि ने पौराणिक मिथक का आश्रय लिय़ा है।

(मिथक - Myth)

इकाई – 2 पाठ – 1

आई एम कलाम के बहाने

Score : 30
Time : 1 hr

Standard : X

सूचनाः निम्न लिखित अंश पढ़ें और नीचे दिए प्रश्नों के उत्तर लिखें ।

गाँव के स्कूल में मेरा साथी था - मोरपाल। वही मोरपाल जिसने एक बार हमारे अंग्रेज़ी के मास्टर तिवारीजी के look का मतलब और सही हिज्जे पूछे जाने पर बताया था एल डबल ओ के लुक, लुक यानी लुक - लुक के देखना। नाम का पहला अक्षर मिलने की वजह से क्लास की दरीपट्टी पर हमारी बैठने की जगहें भी साथ ही थीं। वही मोरपाल जिसकी मेरे खाने के डिब्बे में राजमा देखते ही बाँछें खिल जाती थीं। हमारा सौदा था खेल घंटी में खाने की अदला-बदली का।

1. मिहिर के स्कूली साथी का नाम क्या था? (1)

   (मोरपाल, कलाम, रणविजय)

2. 'बाँछें खिल जाना' - का मतलब क्या है? (1)

   (देखना, प्रसन्न होना, पहनना)

3. उनके बैठने की जगहें साथ थीं । क्यों? (1)

   (वे दोनों साथी थे, दोनों के नाम का पहला अक्षर एक था, दोनों पास-पास रहते थे)

4. राजमा किसके लिए सामान्य सी चीज़ थी?

   (मिहिर के लिए, मोरपाल के लिए, मास्टर के लिए)

5. राजमा मोरपाल के लिए खास चीज़ बतायी गई है। क्यों? (1)

   (राजमा दूकान में नहीं मिलता था, गरीबी के कारण राजमा खरीद न सकता था, राजमा पसंद नहीं था)

6. उचित रूप से वाक्यांश की पूर्ति करें। (का, के, की) (1)

   खाने .... अदला बदली।

7. हमारा सौदा था खेल घंटी में खाने की अदला-बदली का। खाने के समय मिहिर और मोरपाल के बीच क्या-क्या बातें हुई होंगी? कल्पना करके लिखें। (4)

   मिहिर : अरे मोरपाल, खाने की घंटी बजी है। चलो न।

   मोरपाल : ....

   ....

   ....

सूचना : निम्न लिखित अंश पढ़ें और नीचे दिए प्रश्नों के उत्तर लिखें।

मेरे लिए स्कूल यूनीफ़ॉर्म बोझ थी। मेरे पास उससे बेहतर कपड़े थे जिन्हें अपनी पसंद से बड़े शहरों के बड़े बाज़ारों से खरीदा था।

8. किसके लिए स्कूल यूनीफ़ॉर्म बोझ थी? क्यों? (2)

9. शादी में भी मोरपाल यूनीफ़ॉर्म पहनकर आता। क्यों ?

10. मिहिर अपने बचपन का अनुभव बताते हुए दोस्त को पत्र लिखता है। वह पत्र लिखें। (4)

11. वाक्य पिरामिड़ की पूर्ति करें। (2)

(कलाम को, अंत में)

मंजिल मिलती है।
अपनी मंजिल मिलती है।
....
....

12. सही मिलान करें। (4)

1. रोज़ स्कूल जाना	मोरपाल को बुरी लगती थी।
2. शादी में भी मोरपाल	लेखक घर में खुशी मनाता था
3. रविवार की छुट्टी	यूनीफ़ॉर्म पहनकर आता था।
4. स्कूल की छुट्टी मिलने पर	मिहिर को पसंद नहीं था।

सूचनाः निम्न लिखित अंश पढ़ें और नीचे दिए प्रश्नों के उत्तर लिखें।

लेकिन कलाम फिर कलाम है। इस झूठे आरोप के सामने भी अपनी दोस्ती का प्रण नहीं तोड़ता।

13. कलाम अपनी दोस्ती का प्रण नहीं तोड़ता। (1)

(इस वाक्य में 'प्रण' के स्थान पर 'प्रतिज्ञा' का प्रयोग करके वाक्य का पुनर्लेखन करें।)

14. 'असत्य' का समानार्थी शब्द चुनकर लिखें। (1)

15. अंत में छोटू उर्फ़ कलाम का सपना साकार होता है। वह अपनी सफ़लता की बात डायरी में लिखता है। संभावित डायरी लिखें। (4)

इकाई – 2 पाठ – 1
आई एम कलाम के बहाने

उत्तर सूचिका

1. मोरपाल
2. प्रसन्न होना
3. दोनों के नाम का पहला अक्षर एक था।
4. मिहिर के लिए
5. गरीबी के कारण राजमा खरीद न सकता था।
6. की
7. मिहिर : अरे मोरपाल, खाने की घंटी बज गई है। चलो न।

मोरपाल : हाँ, चलें। खाने के लिए क्या है?

मिहिर : राजमा - चावल । तुम्हें क्या?

मोरपाल : छाछ। क्या, तुम्हें पसंद है?

मिहिर : हाँ, बहुत पसंद है। मैं तुम्हें राजमा-चावल दूँगा।

मोरपाल : तो ठीक है। (खाने की अदला-बदली होती है।)

मिहिर : राजमा-चावल कैसा लगा?

मोरपाल : वाह! मैंने अभी तक राजमा देखा तक नहीं था।

मिहिर : मेरे लिए यह साधारण-सी चीज़ है।

मोरपाल : छाछ पसन्द आया क्या?

मिहिर : हाँ, बढ़िया है।

8. मिहिर के लिए स्कूल यूनीफ़ॉर्म बोझ थी। क्योंकि उनके पास इससे बेहतर कपड़े थे, जिन्हें अपनी पसंद से बड़े शहरों के बड़े बाज़ारों से खरीदा था।
9. मोरपाल के पास एकमात्र कमीज़-पैंट का नया जोड़ा वह नीली-खाकी स्कूल यूनिफॉर्म थी। इसलिए शादी में भी मोरपाल यूनीफ़ॉर्म पहनकर आता था।
10.

उदयपुर

22.10.2021

प्रिय मित्र,

तुम कैसे हो? मैं यहाँ कुशल हूँ। कुछ ही दिनों से सोच रहा हूँ कि तुम्हें एक पत्र लिखूँ। आज ही अवसर मिला।

क्या, तुम्हें याद है, मेरे बचपन के साथी मोरपाल को? नाम का पहला अक्षर मिलने की वजह से क्लास की दरीपट्टी पर हमारी बैठने की जगहें साथ थीं। मेरे खाने के डिब्बे में राजमा देखते ही उसकी बाँछें खिल जाती थी। हमारा सौदा था खेल-घंटी में खाने की अदला-बदली का। यानी मेरे

टिफिन के राजमा - चावल उसके और उसके घर से आया बड़ा सा छाछ का ड़िब्बा मेरा। वह जानता था कि छाछ मेरी कमज़ोरी है। मैं स्कूल न जाने को नया बहाना बनाता था। परंतु उनका स्कूल को लेकर प्रेम इतना गहरा था कि रविवार की छुट्टी उनके लिए हफ्ते का बुरा दिन था। उसे हमेशा वही स्कूल यूनिफ़ॉर्म पहने ही मैं ने देखा है...... शादी में भी। मोरपाल को मैं कभी नहीं भूल सकता। अब खतम करता हूँ। जवाब की प्रतीक्षा में,

तुम्हारा मित्र

(हस्ताक्षर)

मिहिर

सेवा में
नाम
पता

11.

मंजिल मिलती है।
अपनी मंजिल मिलती है।
कलाम को अपनी मंजिल मिलती है।
अंत में कलाम को अपनी मंजिल मिलती है।

12.

रोज़ स्कूल जाना	मिहिर को पसंद नहीं था।
शादी में भी मोरपाल	यूनीफ़ॉर्म पहनकर आता था।
रविवार की छुट्टी	मोरपाल को बुरी लगती थी।
स्कूल की छुट्टी मिलने पर	लेखक घर में खुशी मनाता।

13. कलाम अपनी दोस्ती की प्रतिज्ञा नहीं तोड़ता।

14. झूठ

15. 23.10.21

आज मैं बहुत खुश हूँ। क्योंकि मेरा सपना साकार हो गया। चाय की दूकान में काम करते समय मेरा सपना था स्कूल में भर्ती होकर अच्छी तरह पढ़ाई करना। मेरा साथी रणविजय तथा लूसी मैडम ने मेरी मदद की थी। मैडम ने वादा किया था कि मुझे दिल्ली लेकर जाएँगी। लेकिन मुझे अपने आप दिल्ली जाना पड़ा। बाद में रणविजय और उसके परिवार की मदद से मैं स्कूल जा सका वैसे मेरा सपना साकार हो गया। यह बात मैं कभी भूल नहीं सकता ।

इकाई – 2 पाठ – 2

सबसे बड़ा शो मैन

Score : 25
Standard : X
Time : 45mts

सूचनाः निम्न लिखित अंश पढ़ें और दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखें ।

इस अभद्र शोर ने माँ को स्टेज से हटने को मज़बूर कर दिया। चार्ली को वह अक्सर अपने साथ थिएटर ले जाती थी। उस दिन भी पर्दे के पीछे खड़ा वह आवाज़ के तमाशे को देख रहा था। माँ और मैनेजर में बहस होते देख वह वहाँ गया।

1. ‘मुझे बारिश में चलना पसंद है, आँसू जो नहीं देख पाता है कोई।’ यह किसका कथन है? (1)
(गीत चतुर्वेदी, चार्ली चैप्लिन, नेहरु)

2. आवाज़ फट जाने के कारण माँ को स्टेज से हटना पड़ा। तब माँ और मैनेजर के बीच हुए वार्तालाप को आगे बढाएँ। (4)

माँ : अरे, पता नहीं। मैं गा नहीं सकती।

मैनेजर : क्या हुआ?

....

....

3. वाक्य पिरामिड़ की पूर्ति करें। (2)

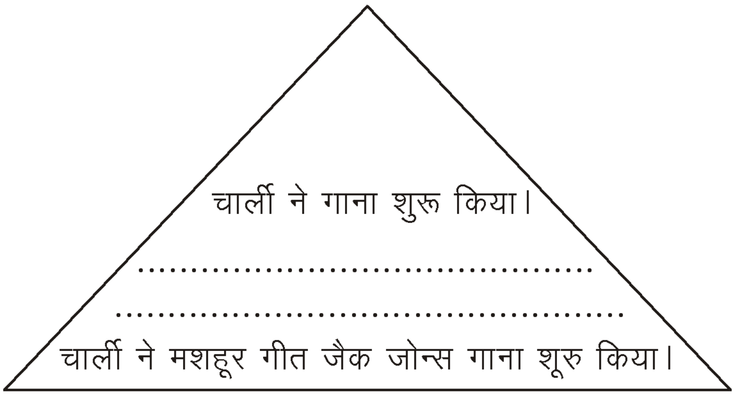

4. नमूने के अनुसार वाक्य बदलकर लिखें। (1)
(लोग चिल्लाते हैं। लोग चिल्लाने लगे।
माँ गाती है। ....

5. सही मिलान करें। (3)

नकल उतारना	प्रशंसा करना
गुदगुदी फैलाना	अनुकरण करना
तारीफ करना	उल्लसित करना

6. गाना अभी आधा ही हुआ था कि स्टेज पर पैसों की बौछार शुरू हो गई। चार्ली ने गाना रोक दिया और घोषणा की कि पहले मैं पैसे बटोरूँगा और उसके बाद ही गाऊँगा। इस बात ने हॉल को हँसीघर में तब्दील

कर दिया। इस घटना के बारे में चार्ली की माँ ने अपनी डायरी कैसे लिखी होगी ? कल्पना करके लिखें। (4)

7. दुनिया के सबसे बड़े शो मैन का यह पहला शो था। इस घटना पर एक रपट तैयार करें। (4)

8. 'मशहूर गीत' - इसमें निहित विशेषण शब्द कौन-सा है? (1)

9. सही वाक्य चुनकर लिखें। (1)

   क) चार्ली गीत गाना लगा।

   ख) चार्ली गीत गाने लगा।

   ग) चार्ली गीत गाने लगी।

10. अप्रैल 16 चार्ली के जन्मदिन के अवसर पर आपके स्कूल में चार्ली की फिल्मों का प्रदर्शन होने वाला है। इसके लिए एक पोस्टर तैयार करें। (4)

इकाई – 2   पाठ – 2

सबसे बड़ा शो मैन

उत्तर सूचिका

1. चार्ली चैप्लिन

2. माँ : अरे पता नहीं। मैं गा नहीं सकती।

मैनेजर : क्या हुआ?

माँ : गले में कुछ.....

मैनेजर : अब क्या करेंगे? लोग चिल्ला रहे हैं। कुछ करो न ?

माँ : हाँ। पर...... आवाज़ तो फ़ट गयी है।

मैनेजर : तो चार्ली को स्टेज पर भेज दो।

माँ : नहीं, नहीं। वह बच्चा है।

मैनेजर : तुम्हारे दोस्तों के सामने अभिनय करते देखा है, उसे।

माँ : नहीं, वह इस उग्र भीड़ को झेल नहीं पाएगा।

मैनेजर : उसे भेजना ही होगा।

माँ : ठीक है।

3.
चार्ली ने गाना शुरु किया।
चार्ली ने गीत गाना शुरु किया।
चार्ली ने मशहूर गीत गाना शुरु किया।
चार्ली ने मशहूर गीत जैक जोन्स गाना शुरु किया।

4. माँ गाने लगी।

5.

नकल उतारना	अनुकरण करना
गुदगुदी फैलाना	उल्लसित करना
तारीफ़ करना	प्रशंसा करना

6.

21	10	1894	बुधवार

आज एक विशेष दिन था। आज स्टेज पर गाते वक्त मेरी आवाज़ फटकर फुसफुसाहट में तब्दील हो गई। लोग शोर मचाने लगे। स्टेज से हटने को मैं मजबूर हो गई। बदले में चार्ली को स्टेज पर भेज दिया। चार्ली गीत गाने लगा तो स्टेज पर पैसों की बौछार शुरु हो गई। चार्ली ने गाना रोक दिया और घोषणा की कि पैसे बटोरने के बाद ही गाऊँगा। इस बात ने हॉल को हँसीघर में तब्दील कर दिया। उसने दर्शकों से बातचीत की, नृत्य किया और कई गायकों की नकल उतार दी। लोगों में ठहाकों की हिस्सेदारी हुई। अंत में जब मैं उसे लेने गई तो कई लोगों ने मुझसे हाथ मिलाकर उसकी तारीफ़ की। आज मैं बहुत खुश हूँ। मेरेलिए यह आविस्मरणीय दिन है और मेरे बेटे का भी ....

7.

फैला दी गुदगुदी, पाँच साल के बच्चे ने

न्यूयोर्क : पाँच साल के बच्चे ने कमाल कर दिया। चार्ली है, उस बच्चे का नाम। अपनी माँ की आवाज़ फटने के कारण ही चार्ली स्टेज पर आया। उसने मशहूर गीत 'जैक जोन्स' गाया तो स्टेज पर पैसों की बौछार शुरु हो गई। बाद में उसने दर्शकों से बातचीत की, नृत्य किया और अपनी माँ सहित कई गायकों की भी नकल उतार दी। उसने जनता में गुदगुदी फैला दी। चार्ली दुनिया के सबसे बड़ा शो मैन बनेगा, इसमें कोई शंका नहीं।

8. मशहूर

9. चार्ली गीत गाने लगा।

10.

सरकारी हायरसेकन्टरी स्कूल तिरुवनन्तपुरम

चार्ली चैप्लिन की फिल्मों का प्रदर्शन

तारीख
16/04/21
से
28/04/21
तक

फिल्मों के नाम
दि सर्कस
दि किड़
सिटी लाईट्स

स्थान : स्कूल सभागृह

समय : सुबह 10 बजे

सबका स्वागत

इकाई – 3 पाठ – 1

अकाल और उसके बाद

Score : 10
Standard : X Time : 15 Mts.

सूचनाः नीचे दी गई पंक्तियाँ पढ़ें और उत्तर लिखें।

दाने आए घर के अंदर कई दिनों के बाद
धुआँ उठा आँगन से ऊपर कई दिनों के बाद
चमक उठी घर भर की आँखें कई दिनों के बाद
कौए ने खुजलाई पाँखें कई दिनों के बाद।

1. कई दिनों के बाद आंगन के ऊपर क्या उड़ने लगा? (1)
   (घुआँ, वर्षा, घूल)
2. पाँखें - शब्द का समानार्थ शब्द चुनकर लिखें। (1)
   (पाँव, आँख, पंख)
3. अकाल के बाद घर में क्या-क्या परिवर्तन आए हैं? (2)
4. कवि और कविता का परिचय देते हुए इन पंक्तियों का आशय लिखें। (4)
5. 'कानी कुतिया'- में विशेषण शब्द कौन-सा है? (1)
6. चूहों की हालत भी दयनीय है - यह आशयवाली पंक्ति कविता से लिखें। (1)

इकाई – 3 पाठ – 1

अकाल और उसके बाद (उत्तर)

उत्तर सूचिका

1. धुआँ
2. पंख
3. कई दिनों के बाद घर के अंदर दाने आए। तब चूल्हा जलाया गया। चूल्हा जलाने पर आँगन से ऊपर धुआँ उठा। घर भर की आँखें चमकने लगीं।
4. नागार्जुन हिंदी के प्रगतिशील साहित्यकार हैं। लोकजीवन, प्रकृति और समकालीन राजनीति आपकी रचनाओं के मुख्य विषय रहे हैं। यह अंश आपके 'अकाल और उसके बाद' नामक कविता का है।

   यहाँ कवि ने अकाल के बाद का वर्णन किया है। कवि कहते हैं कि कई दिनों के बाद घर के अंदर दाने आए। दाने के आने पर चूल्हा जलाया गया। धुआँ आँगन से ऊपर उड़ने लगा। सब लोगों की आँखें चमक उठीं। कौए भी अपने पंख खुजलाने लगे।

   प्रस्तुत पंक्तियों में कवि ने कई संकेतों का प्रयोग किया है। चूल्हा जलना, धुआँ ऊपर उठना आदि खुशी का संकेत है। यहाँ कई बिंबों का प्रयोग भी हुआ है।
5. कानी
6. कई दिनों तक चूहों की भी हालत रही शिकस्त

इकाई – 3 पाठ – 2

ठाकुर का कुआँ

Standard : X

Score : 25
Time : 1 hr

सूचनाः 'ठाकुर का कुआँ' कहानी का यह अंश पढ़ें और नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखें।

गंगी ने पानी न दिया। खराब पानी से बीमारी बढ जाएगी इतना जानती थी, परंतु यह न जानती थी कि पानी को उबाल देने से उसकी खराबी जाती रहती है। बोली - 'यह पानी कैसे पिओगे? न जाने कौन जानवर मरा है। कुएँ से मैं दूसरा पानी लाए देती हूँ। जोखू ने आश्चर्य से उसकी ओर देखा - पानी कहाँ से लाएगी?

1. यहाँ पानी की खराबी दूर करने का क्या उपाय बताया गया है? (1)

2. सही विकल्प चुनकर लिखें?

   (गंगी बोलता है, गंगी बोलता हूँ, गंगी बोलती है) (1)

3. जोखू ने पूछा - पानी कहाँ से लाएगी? इस शंका के क्या-क्या कारण हो सकते हैं? (2)

4. संकेतों की सहायता से गंगी के चरित्र पर टिप्पणी लिखें। (4)

   ♦ ठाकुर का कुआँ कहानी का स्त्री पात्र।

   ♦ पति के स्वास्थ्य का ध्यान रखनेवाली।

   ♦ आत्मविश्वास दिखानेवाली।

   ♦ विद्रोही दिलवाली।

5. नमूने के अनुसार तालिका की पूर्ति करें। (1)

गंगी इंतज़ार करने लगी।	जोखू इतज़ार करने लगा।
रोशनी कुएँ पर आने लगी।	प्रकाश कुएँ पर.............।

6. 'जातिप्रथा एक अभिशाप है।' इसका संदेश देते हुए एक पोस्टर तैयार करें। (4)

सूचना : नीचे दिए गए अंश पढ़ें और प्रश्नों के उत्तर लिखें।

गंगी का विद्रोही दिल रिवाज़ी पाबंदियों और मजबूरियों पर चोटें करने लगा। हम क्यों नीच हैं और ये लोग क्यों ऊँच हैं? इसलिए कि ये लोग गले में ताग डाल लेते हैं? यहाँ तो जितने हैं, एक से एक छंटे हैं।

7. गंगी का विद्रोही दिल किसपर चोटें करने लगा? (1)

   (जाल-फरेब पर, रिवाज़ी पाबंदियों और मजबूरियों पर, झूठे मुकदमे पर) (1)

8. हम क्यों नीच हैं और ये लोग क्यों ऊँच हैं? यह किस सामाजिक समस्या की ओर संकेत करता है?(1)

   (बेकारी, भ्रष्टाचार, जातिप्रथा)

9. सही मिलान करके लिखें। (4)

गंगी जगत की आड़ में बैठकर	एकाएक ठाकुर का दरवाज़ा खुल गया।
गंगी घड़ा और रस्सी उठाकर	विजय का ऐसा अनुभव पहले न हुआ था
गंगी दबे पाँव कुएँ की जगत पर चढ़ी	मौके का इंतजार करने लगी।
गंगी झुकी कि घड़े को पकड़ कर जगत पर रखें	वृक्ष के अंधेरे साये में जा खड़ी हुई।

सूचनाः कहानी का अंश पढ़ें और उत्तर लिखें।

ठाकुर कौन है, कौन है? पुकारते हुए कुएँ की तरफ़ आ रहे थे और गंगी जगत से कूदकर भागी जा रही थी। घर पहुँचकर देखा कि जोखू लोटा मुँह से लगाए वही मैला-गंदा पानी पी रहा है।

10. गंगी कहाँ से कूदकर भागी जा रही थी? (1)

(जगत से, वृक्ष की छाया से, घर से)

11. घर पहुँचकर गंगी ने क्या देखा? (1)

12. प्रस्तुत अंश के आधार पर गंगी की डायरी तैयार करें। (4)

इकाई – 3 पाठ – 2

ठाकुर का कुआँ

उत्तर सूचिका

1. पानी को उबाल देना ही पानी की खराबी दूर करने का उपाय है।
2. गंगी बोलती है।
3. जोखू और गंगी अछूत मानते हैं। इसके कारण ठाकुर के तथा साहु के कुएँ से पानी न भरने देंगे। जोखू की शंका का कारण यही है।
4. **गंगी**

''ठाकुर का कुआँ'' कहानी का स्त्री पात्र है गंगी। गंगी जोखू की पत्नी है। लोग उसे अछूत मानते हैं। अपने बीमार पति को साफ़ पानी पिलाने में वह असमर्थ हो जाती है। पति के स्वास्थ्य का ध्यान रखने वाली है। लेकिन पानी को उबाल देने से खराबी जाती है यह उसे नहीं पता है। तत्कालीन सामाजिक व्यवस्था के कारण वह ठाकुर के कुएँ से पानी नहीं ले सकती। लेकिन उसका मन विद्रोह करने लगता है। वह गरीब, तथा असहाय है। सामाजिक कुरीतियों के विरुद्ध विद्रोह करनेवाली औरत है गंगी।

5. प्रकाश कुएँ पर आने लगा।

6. 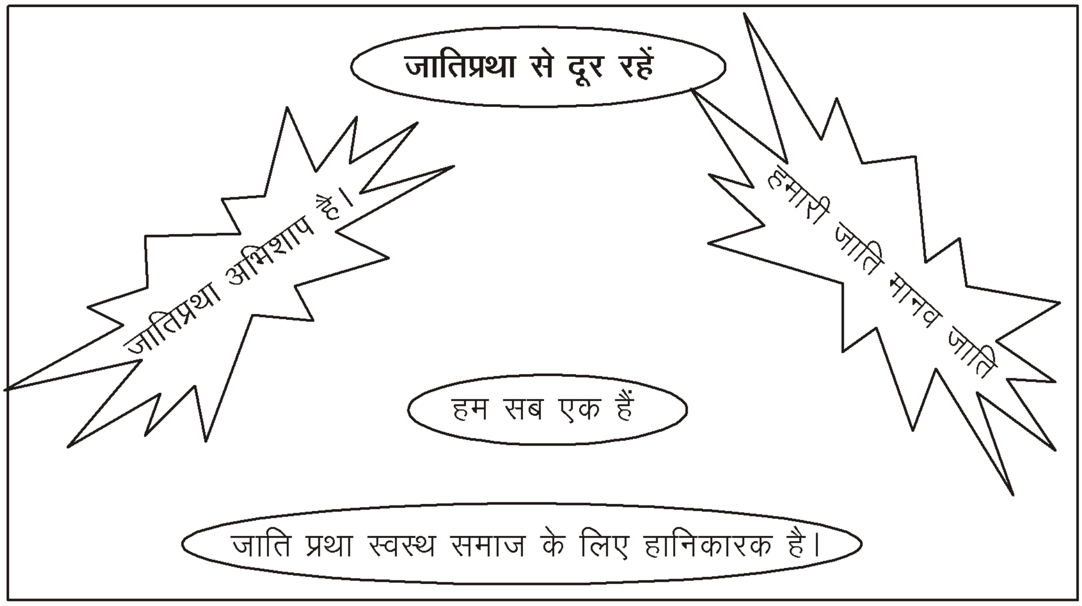

7. रिवाज़ी पाबंदियों और मजबूरियों पर
8. जातिप्रथा
9. गंगी जगत की आड़ में बैठकर - मौके का इंतज़ार करने लगी।

गंगी घडा और रस्सी उठाकर - वृक्ष के अंधेरे साये में जा खडी हुई।

गंगी दबे पाँव कुएँ की जगत पर चढ़ी	-	विजय का अनुभव पहले न हुआ था।
गंगी झुकी कि घडे को पकड़कर जगत पर रखे	-	एकाएक ठाकुर का दरवाज़ा खुल गया।

10. जगत से

11. घर पहुँचकर गंगी ने देखा कि जोखू लोटा मुँह से लगाए वही मैला गंदा पानी पी रहा है।

12.

23	नवंबर	1916	बुधवार

आज का दिन मैं कभी नहीं भूलूँगी। आज एक अविस्मणीय दिन था। ठाकूर और साहु के लिए अलग कुएँ हैं। हम निम्न जाति के लिए पीने का भी पानी नहीं। कैसी हालत है? प्रतिदिन शाम पानी भर लिया करती थी। आज उसमें बदबू कैसी ! इसलिए जोखू को पानी न दिया। बडी प्रतीक्षा से ठाकूर के कुएँ से पानी लेने चली। घडा कुएँ के मुँह तक आ पहुँचा था। एकाएक ठाकुर का दरवाज़ा खुल गया। भयभीत होकर कुएँ के जगत से कूदकर भागी। घर पहुँचकर देखा कि जोखू वही मैला - गंदा पानी पी रहा है। जाति की इस दुरवस्था से कभी हमें मुक्ति न मिले ? गरीबों का दर्द कोई समझता नहीं। किससे कहूँ?

इकाई – 4 पाठ – 1

बसंत मेरे गाँव का

Standard : X

Score : 25
Time : 1 hr

सूचनाः 'बसंत मेरे गाँव का' लेख का यह अंश पढ़ें और नीचे दिए प्रश्नों के उत्तर लिखें।

फूलदेई की विदाई के साथ बसंत का यह उत्सव समाप्त हो जाता है। अंतिम दिन इकट्ठी की गई सामग्री से सामूहिक भोज बनाया जाता है। इस आयोजन में बडों की भूमिका केवल सलाह देने तक सीमित होती है। बाकी सारे काम बच्चे करते हैं। उत्तराखंड के हिमालयी अंचल में फूलदेई से बड़ा बच्चों का कोई दूसरा त्योहार नहीं है।

1. फूलदेई का त्योहार किस ऋतु में मनाया जाता है? (1)

(शिशिर ऋतु, बसंत ऋतु, वर्षा ऋतु)

2. फूलदेई त्योहार में बड़ों की भूमिका क्या है?

(बच्चों को सलाह देना, बच्चों का स्वागत करना, बच्चों को धन्यवाद देना) (1)

3. उत्तराखंड के हिमालयी अंचल में फूलदेई को बच्चों का सबसे बड़ा त्योहार मानते हैं। क्यों? (2)

4. उत्तराखंड के हिमालयी अंचल में फूलदेई त्योहार धूम-धाम से मनाया गया। एक समाचार तैयार करें। (4)

सूचनाः 'बसंत मेरे गाँव का' नामक लेख का यह अंश पढ़ें और प्रश्नों के उत्तर लिखें।

महीनों तक फैले चरागाहों, घने जंगलों और अनजान बस्तियों में भटकने के बाद घर लौटने की खुशी उत्सव का माहौल रच देती है। वे गीत गाते हैं, नाचते हैं। पशुचारकों के साथ उनकी भेड़ -बकरियाँ, घोडे - खच्चर और कुत्ते भी होते हैं। रास्ते में आनेवाले गाँवों से उनका लेन-देन भी होता रहता है।

5. पशुचारकों की खुशी का कारण क्या है? (1)

(महीनों के बाद घर लौटने के कारण, महीनों के बाद सिनेमा देखने के कारण, महीनों बाद दोस्तों से मिलने के कारण)

6. आपसी विश्वास के दम पर वर्षों से यहाँ लेन- देन चल रहा है। यहाँ गाँववालों की कौन-सी विशेषता प्रकट होती है? (2)

7. लेन-देन के वक्त पशुचारक और गाँववालों के बीच में संभावित वार्तालाप तैयार करें। (4)

सूचनाः 'बसंत मेरे गाँव का' लेख का निम्न लिखित अंश पढ़ें और नीचे दिए प्रश्नों के उत्तर लिखें।

पंचाचूली की पाँच चोटियों की ओर से जब सूरज प्रकट होता है, तब मेरे गाँव में हाड़कँपा देनेवाली ठंड पड़ती है। सूरज जब चौखंभा के शिखर से उगता है, तब जेठ की गर्मी चरम पर होती है। इन दोनों पर्वतों के बीच खड़े नंदा पर्वत के आसपास सूरज की उपस्थिति मेरे गाँव में बसंत के बौराने का प्रतीक है। दादी कहती थी- जब तक हिमालय रहेगा, ऋतुओं के बदलने का उल्लास बना रहेगा।

8. जब तक हिमालय रहेगा ऋतुओं के बदलने का उल्लास बना रहेगा। - इसका क्या तात्पर्य है? (2)

9. सही मिलान करें। (4)

सूरज जब चौखंभा पर्वत के ठीक पीछे से उदय होने लगता है,	ऋतुओं के बदलने का उल्लास बना रहेगा।
पंचाचूली की पाँच चोटियों की ओर से जब सूरज प्रकट होता है,	तब जेठ शुरू होता है।
जब तक हिमालय रहेगा	तब हाड़कँपा देनेवाली ठंड पड़ती है।
सूरज जब चौखंभा के शिखर से उगता है,	जेठ की गर्मी चरम पर होती है।

10. 'मनुष्य और प्रकृति के आपसी संबंध' - इस विषय पर एक पोस्टर तैयार करें। (4)

सहायक बिंदुः

- प्रकृति हमारी माँ है।
- प्रकृति की रक्षा मानव की रक्षा।
- जैव विविधता को बनाए रखें।

इकाई – 4 पाठ – 1

बसंत मेरे गाँव का

उत्तर सूचिका

1. बसंत ऋतु
2. बच्चों को सलाह देना
3. फूलदेई के त्योहार में बड़ों की भूमिका केवल सलाह देने तक सीमित रहती है। फूलदेई के त्योहार के समय बच्चे देर शाम तक फूल चुनते हैं और गाँव भर में घूमकर घरों की देहरियों को फूलों से सजाते हैं। घरवाले बच्चों को चावल, गुड़ आदि दक्षिणा में देते हैं। इन्हीं चीज़ों से ही अंतिम दिन सामूहिक भोजन बनाते हैं। इसलिए इसे बच्चों का सबसे बड़ा त्योहार मानते हैं।
4. **फूलदेई त्योहार धूम-धाम से मनाया गया**

   उत्तराखंडः- उत्तराखंड के हिमालयी अंचल में फूलदेई का त्योहार धूम-धाम से मनाया गया। वहाँ फूलदेई से बड़ा बच्चों का कोई दूसरा त्योहार नहीं है। इसमें बड़ों की भूमिका केवल सलाह देने तक सीमित रहती है। बाकी सारे काम बच्चे करते हैं। इन दिनों में देर शाम तक बच्चे फूल चुनते हैं और ये फूल घरों की देहरियों पर सजाए जाते हैं। घरवाले बच्चों को गुड, चावल, दाल आदि दक्षिणा के रूप में देते हैं। दक्षिणा में मिली यह सामग्री इक्कीस दिन तक इकट्ठा की जाती है। अंतिम दिन इससे सामूहिक भोज बनाया जाता है।
5. महीनों के बाद घर लौटने के कारण।
6. बर्फ़ीले मौसम में निचले इलाकों की ओर आते समय गाँववालों और पशुचारकों के बीच लेन-देन होता है। नकद-उधार के आंकडे कहीं दर्ज नहीं होता। यहाँ गाँववालों की निस्वार्थता और ईमानदारी प्रकट होती है।
7. पशुचारक : अरे भैया, कहाँ हैं आप?

   गाँववाला : अरे कौन है यह? कितने दिन हुए मिलकर।

   पशुचारक : हाँ, ठंड का मौसम है न?

   गाँववाला : इस बार क्या-क्या हैं, हाथ में?

   पशुचारक : सब हैं .... कीड़ा जड़ी, औषधियाँ .... सबकुछ हैं।

   गाँववाला : कीड़ा जड़ी दिखाना।

   पशुचारक : हाँ, देखिए........ करण, चुरु सब हैं।

   गाँववाला : मुझे करण और चुरु भी चाहिए।

   पशुचारक : यह लीजिए।

   गाँववाला : कितना है?

   पशुचारक : आप दीजिए।

   गाँववाला : मेरे पास तो 20 रुपया ही है।

   पशुचारक : तो क्या भैया ?

   गाँववाला : ठीक है भैया।

पशुचारक : बाद में मिले.....

8. हिमालय और ऋतुओं के बदलने में घना संबन्ध है। हिमालय के ऊपर से सूरज की यात्रा के साथ ऋतुएँ भी बदलती रहती हैं। ऋतुओं के आने जाने के साथ पहाड़ी-जीवन में भी बदलाव आता रहता है। इसलिए ऐसा कहा गया है कि जब तक हिमालय रहेगा, ऋतुओं के बदलने का उल्लास बना रहेगा।

9.

सूरज जब चौखंभा पर्वत के ठीक पीछे से उदय होने लगता है,	तब जेठ शुरु हो जाता है।
पंचाचूली की पाँच चोटियों की ओर से जब सूरज प्रकट होता है,	तब हाड़कँपा देनेवाली ठंड पड़ती है।
सूरज जब चौखंभा के शिखर से उगता है,	तब जेठ की गर्मी चरम पर होती है।
जब तक हिमालय रहेगा,	ऋतुओं के बदलने का उल्लास बना रहेगा।

10.

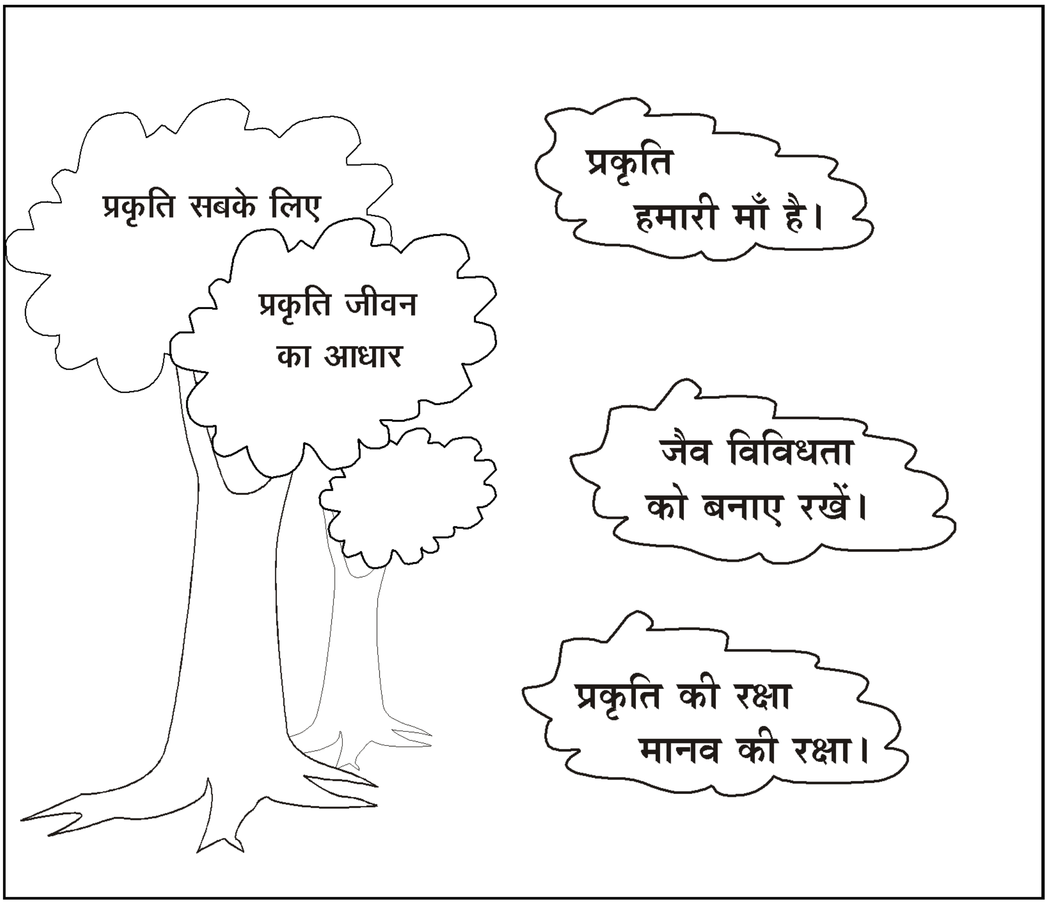

इकाई – 4 पाठ – 2

दिशाहीन दिशा

Score : 25
Standard : X Time : 1 hr

सूचनाः दिशाहीन दिशा पाठ का यह अंश पढ़ें और उत्तर लिखें।

समुद्र तट के प्रति मन में एक ऐसा आकर्षण था कि मेरी यात्रा की कल्पना में समुद्र का विस्तार अनायास ही आ जाता था। बहुत बार सोचा था कि कभी समुद्र तट के साथ - साथ एक लंबी यात्रा करूँगा परंतु यात्रा के लिए समय और साधन साथ-साथ मेरे पास कभी नहीं रहते थे।

1. मेरे - इसमें निहित सर्वनाम और प्रत्यय अलग करके लिखें। (1)

(मैं + का, मैं + के, मैं + की)

2. समुद्रतट के साथ एक लंबी यात्रा करने के लिए लेखक ने कई बार सोचा। लेकिन कर न सका। क्यों?

सूचनाः निम्न लिखित अंश पढ़ें और उत्तर लिखें। (2)

सबसे अधिक आत्मीयता कन्याकुमारी के तट को लेकर महसूस होती थी। परंतु एक घने शहर की छोटी - सी तंग गली में पैदा हुए व्यक्ति के लिए उस विस्तार के प्रति ऐसी आत्मीयता का अनुभव करने का आधार क्या हो सकता था? केवल विपरीत का आकर्षण?

3. 'घने शहर' - इसमें विशेषण शब्द कौन-सा है? (1)
4. घने शहर की छोटी सी तंग गली में पैदा हुए लेखक को कन्याकुमारी के विशाल समुद्र-तट के प्रति आत्मीयता का अनुभव होने का आधार क्या हो सकता है? (2)

सूचनाः निम्न लिखित अंश पढ़ें और उत्तर लिखें।

भोपाल स्टेशन पर मेरा मित्र अविनाश जो वहाँ से निकलनेवाले एक हिंदी दैनिक का संपादन करता था, मुझसे मिलने के लिए आया था । मगर बात करने की जगह उसने मेरा बिस्तर लपेटकर खिड़की से बाहर फेंक दिया और खुद मेरा सूटकेस लिए हुए नीचे उतर गया। इस तरह मुझे एक रात के लिए वहाँ रह जाना पड़ा।

5. अविनाश के इस आचरण से मोहन राकेश और अविनाश के बीच की मित्रता का अंदाज़ा मिल गया होगा। उन दोनों के बीच का संभावित वार्तालाप लिखें। (4)
6. लेखक को एक रात भोपाल में रहना पड़ा। क्यों? (2)
7. लेखक का मित्र अविनाश क्या काम करता था? (1)
8. भोपाल ताल की सैर के अनुभवों के ज़िक्र करते हुए मित्र के नाम मोहन राकेश का पत्र लिखें। (4)

सूचनाः निम्न लिखित अंश पढ़ें और उत्तर लिखें।

मैं नाव में लेटा उसकी तरफ़ देख रहा था। उस सर्दी में भी सिर्फ एक तहमद लगाए था। गले में बनीयान तक नहीं थी। उसकी दाढी के ही नहीं छाती के भी बाल सफ़ेद हो चुके थे। जब वह चप्पु चलाने लगता

तो उसकी मांसपेशियाँ इस तरह हिलती जैसे उनमें फौलाद भरा हो।

9. अब्दुल जब्बार का व्यक्तित्व बडा प्रभावशाली है। उनके चरित्र पर टिप्पणी लिखें। (4)

10. संबन्ध पहचानें और सही मिलान करें। (4)

मोहन राकेश ने पहले सोचा था	भोपाल ताल घूमने गया।
मोहन राकेश की बड़ी इच्छा थी	मोहन राकेश समुद्रतट की य़ात्रा न कर सके।
समय और साधन की कमी से	समुद्र तट का सफ़र करें।
मोहन राकेश अविनाश के साथ	कन्याकुमारी चला जाऊँ।

इकाई – 4 पाठ – 2
दिशाहीन दिशा

उत्तर सूचिका

1. मैं + के
2. यात्रा के लिए समय और साधन साथ-साथ लेखक के पास कभी नहीं रहते थे।
3. घने
4. घने शहर की छोटी-सी तंग गली में पैदा हुए लेखक को कन्याकुमारी जैसे विशाल समुद्र-तट के प्रति आकर्षण होना स्वाभाविक है। शायद विपरीत का आकर्षण है।
5. मोहन राकेश : अरे, क्या कर रहा है तू ? मेरे बिस्तर को बाहर क्यों फेंक रहा है?

   अविनाश : तुझे बिस्तर की आवश्यकता नही है......

   मोहन राकेश : ओह, तू मेरा सूटकेस कहाँ ले जा रहा है?

   अविनाश : अरे अब हम कितने दिनों के बाद मिल रहे हैं। आज यही मेरे साथ भोपाल में रह।

   मोहन राकेश : मैं बंबई जा रहा हूँ यार। तुम भी साथ आओ।

   अविनाश : नहीं आज तू यहाँ मेरे साथ। कल तू बंबई चले जाना। आओ मेरे साथ।

   मोहन राकेश : जी, चलें।
6. लेखक का मित्र अविनाश ज़बरदस्ती रेलगाड़ी से निकालकर उसको ले जाने के कारण एक रात भोपाल में रहना पड़ा।
7. लेखक का मित्र अविनाश भोपाल से निकलने वाले एक हिंदी दैनिक का संपादन करता था।
8. स्थान
तारीख

   प्रिय मित्र सुशील जी,

   नमस्कार। कैसे हैं आप? आप का लेखन कैसे चल रहा है? कोई नई सृष्टियाँ आई हैं क्या? मैं अब भोपाल में हूँ मित्र अविनाश के साथ। तुम्हें पता है न अविनाश को? मैंने उनके साथ शहर के प्रसिद्ध तालाब भोपाल ताल में सैर की थी। नाव चलानेवाला मल्लाह अब्दुल जब्बार ने कुछ गज़लें पेश कीं। बहुत अच्छा लगा था। सुनाने का अदाज़ भी शायराना था। जब वह गाने लगा तो हम उसमें लीन हो गए। पर उसके खामोश होते ही सारा वातावरण बदल गया । भोपाल ताल का सैर एक सुन्दर अनुभव था। घर में सब ठीक हैं न ? सभी को मेरा प्रणाम कह देना।

   तुम्हारा मित्र
(हस्ताक्षर)
मोहन राकेश

   सेवा में
नाम
पता

10.

अब्दुल जब्बार

मोहन राकेश का यात्रा विवरण 'दिशाहीन दिशा' का एक मुख्य पात्र है बूढ़ा मल्लाह - अब्दुल जब्बार। वह गरीब और साधारण व्यक्ति है। वह रात-दिन मेहनत करता है। वह गज़लें अच्छी तरह गाता था। उसका गला काफ़ी अच्छा था और सुनाने का अंदाज़ भी शायराना था। संक्षेप में कहें तो मल्लाह के गायन ने मोहन राकेश और अविनाश की सैर को अविस्मरणीय बना दिया।

10 मोहन राकेश ने पहले सोचा था - समुद्र तट का सफर करें।

मोहन राकेश की बड़ी इच्छा थी - कन्याकुमारी चला जाऊँ।

समय और साधन की कमी से - मोहन राकेश समुद्रतट की यात्रा न कर सके।

मोहन राकेश अविनाश के साथ - भोपाल ताल घूमने गया।

इकाई – 5 पाठ – 1

बच्चे काम पर जा रहे हैं

Score : 20
Standard : X Time : 45 Mts.

सूचना: नीचे दी गई पंक्तियाँ पढ़ें और उत्तर लिखें।

कोहरे से ढँकी सड़क पर बच्चे काम पर जा रहे हैं

सुबह - सुबह

बच्चे काम पर जा रहे हैं

हमारे समय की सबसे भयानक पंक्ति है यह

भयानक है इसे विवरण की तरह लिखा जाना

लिखा जाना चाहिए इसे सवाल की तरह।

1. इन पंक्तियों का रचयिता कौन है? (1)
2. बच्चे क्यों जा रहे हैं? (1)
3. 'हमारे समय की सबसे भयानक पंक्ति है यह।' यहाँ भयानक पंक्ति से क्या मतलब है? (1)
   (लंबी पंक्ति, काम के लिए जानेवाले बच्चों की पंक्ति, सडक के लोगों की पंक्ति)
4. बच्चे काम पर जा रहे हैं - यह समाज की किस समस्या की ओर संकेत करते हैं? (1)
5. "हमारे समय की सबसे भयानक पंक्ति है"। ऐसा क्यों कहा गया है? (2)
6. बच्चे काम पर क्यों जाते होंगे? (2)
7. ये बातें किससे संबंधित है ? मिलान करके लिखें। (4)

दीमकों ने खा लिया है	सारे खिलौने ।
भूकंप में ढह गई है	सारी गेंदें।
पहाड़ के नीचे दब गए हैं	किताबों को।
अंतरिक्ष में गिर गई हैं	मदरसों की इमारतें।

8. बच्चे काम पर जा रहे हैं - कविता पर टिप्पणी लिखें। (4)
9. बालश्रम को रोको, बच्चों की रक्षा करो। (4)
   यह संदेश देते हुए एक पोस्टर तैयार करें।

इकाई – 2 पाठ – 2

बच्चे काम पर जा रहे हैं

उत्तर सूचिका

1. राजेश जोशी
2. बच्चे काम के लिए जा रहे हैं।
3. काम के लिए जानेवाले बच्चों की पंक्ति
4. यह बालश्रम की ओर संकेत करता है।
5. अपने घर की गरीबी के कारण समाज के कुछ बच्चे काम के लिए जा रहे हैं। वे अपने से वंचित रह जाते हैं। इसलिए हम कह सकते हैं कि हमारे समय की सबसे भयानक पंक्ति है यह।
6. समाज के अधिकांश लोग अनपढ़ और गरीब होते हैं। रोज़ी - रोटी के लिए माँ --बाप के साथ बच्चों को भी काम पर जाना पड़ता है।
7.

दीमकों ने खा लिया है	किताबों को।
भूकंप में ढह गई है	मदरसों की इमारतें।
पहाड़ के नीचे दब गए हैं	सारे खिलौने।
अंतरिक्ष में गिर गई हैं	सारी गेंदें।

8.

बच्चे काम पर जा रहे हैं

बच्चे काम पर जा रहे हैं , श्री राजेश जोशी की सुंदर कविता है। यहाँ कवि सामाजिक समस्या बालश्रम के प्रति हमारा ध्यान आकर्षित करना चाहते हैं। यह कविता बालश्रम के विरुद्ध पुकार है।

इस कविता के ज़रिए कवि हमें याद दिलाते हैं कि दुनिया भर के कई छोटे-छोटे बच्चे काम पर जा रहे हैं। कोहरे से ढ़ँकी सड़क पर सबेरे वे काम केलिए जा रहे हैं। उनके चेहरों पर सारी परेशानियाँ देख सकते हैं। घरवालों की गरीबी के कारण वे अपने बचपन से वंचित रह जाते हैं। कवि की राय में इस बात को सवाल की तरह प्रस्तुत करना चाहिए कि हमारे कुछ बच्चे क्यों काम पर जा रहे हैं? कवि ने हमारे समाज की दयनीय स्थिति पर यहाँ बल दिया है।

9.

बालश्रम

दें किताबें बच्चों को
पढ़ें... आगे बढ़ें....

अपने बचपन से वे कभी वंचित न हों....
कभी वंचित न हों प्यारे जीवन से

बालश्रम को रोकें

बच्चों का अपना हक है...
सुरक्षित रहने का... शिक्षा पाने का...

बालश्रम कानूनी
अपराध

इकाई – 5 पाठ – 2

गुठली तो पराई है

Score : 20
Standard : X Time : 45 Mts.

सूचना: गुठली तो पराई है - कहानी का यह अंश पढ़ें और अनुबंध प्रश्नों के उत्तर लिखें।

ऐसे पट-पट मत बोलो, ऐसे धम-धम मत चलो........। एक दिन गलती से उसने पूछ ही लिया, क्यों? तो बस शुरु हो गई, अरे छोरी, लोग नाम तो तेरी माँ को ही रखेंगे। कहेंगे कुछ सिखाया ही नहीं। ऐसे ही करेगी क्या अपने घर जाकर?

1. 'गुठली तो पराई है' कहानी की लेखिका कौन है? (1)

(कनक शशि, सुमित्रानंदन पंत, कमला भसीन)

2. अरे छोरी, लोग नाम तो तेरी माँ को ही रखेंगे। कहेंगे कुछ सिखाया ही नहीं। ऐसा किसने कहा? (1)

(गुठली ने, माँ ने, बुआ ने)

3. इस प्रसंग के आधार पर बुआ और गुठली के बीच का वार्तालाप तैयार करें। (4)

4. कोष्ठक के शब्दों से पिरामिड़ की पूर्ति करें। (2)

(लड़कियों की तरह, बाकी)

किसी और की अमानत है।

तू भी किसी और की अमानत है।

....

....

5. सही मिलान करें। (4)

दीदी की शादी में	जहाँ मैं पैदा हुई।
यही तो है मेरा घर	सब कितने खुश थे।
जैसे उसके पैरों के नीचे से	प्यार से मान गई।
गुठली, माँ के	ज़मीन खींच ली गई हो।

6. गुठली सोचती रही क्या यह घर उसका नहीं? क्या उसके आम की कैरियाँ वह कभी नहीं खा पाएगी? उसके मन में ये विचार आने लगे। उसके विचारों को डायरी के रूप में लिखें। (4)

7. बेटी पढ़ाओ, बेटी बचाओ - विषय पर पोस्टर तैयार करें। (4)

इकाई – 5   पाठ – 2
गुठली तो पराई है

उत्तर सूचिका

1. कनक शशि
2. बुआ ने
3. बुआ : अरे छोरी, लोग नाम तो तेरी माँ को ही रखेंगे।
   गुठली : क्यों बुआ?
   बुआ : अपने घर जाकर ऐसे ही करोगी?
   गुठली : अपना घर !
   बुआ : हाँ ..... अपना घर....।
   गुठली : यही तो है मेरा घर, जहाँ मैं पैदा हुई।
   बुआ : बेवकूफ़, यह घर तो पराया है।
   गुठली : बुआजी, मेरी समझ में नहीं आई।
   बुआ : बाकी लड़कियों की तरह तू भी किसी और की अमानत है। ससुराल ही तेरा असली घर होगा
   गुठली : मैं नहीं मानूँगी।
   बुआ : बेटी, बड़े होने पर तू भी अपने घर ज़रूर जाएगी।
   गुठली : यह बुरी बात है न?
   बुआ : वही सच है बेटी।
4.

किसी और की अमानत है।
तू भी किसी और की अमानत है।
लड़कियों की तरह तू भी किसी और की अमानत है।
बाकी लड़कियों की तरह तू भी किसी और की अमानत है।

5. सही मिलान करें।

दीदी की शादी में	सब कितने खुश थे।
यही तो है मेरा घर	जहाँ मैं पैदा हुई।
जैसे उसके पैरों के नीचे से	ज़मीन खींच ली गई हो।
गुठली, माँ के	प्यार से मान गई।

6.

22	अक्तूबर	2021	शनिवार

आज का दिन मैं कभी नहीं भूलूँगी। आज एक अविस्मरणीय घटना हुई। मेरा मन खराब है। बुआ की बातें अभी कानों पर हैं। क्या, मैं किसी और की अमानत हूँ? मैं कभी यह मान न सकती । यही तो मेरा घर है। क्या, यहाँ के आम की कैरियाँ मैं कभी खा नहीं पाऊँगी? बगीचे में बनाई क्यारियाँ, मछलियों के लिए तालाब, कुत्ता, नानू... क्या, सब उसका है? नहीं .. कभी ऐसा नहीं होगा। ये सब मेरा भी है।

7.